भारत सरकार

वस्त्र मंत्रालय

राज्य सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या : 2306

25 अप्रैल, 2012 को उत्तर दिए जाने के लिए

राष्ट्रीय फाइबर नीति से कॉयर को हटाया जाना

2306. प्रो. पी.जे. कुरियन:

क्या **वस्त्र** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) सरकार द्वारा बनाई गई राष्ट्रीय फाइबर नीति का ब्यौरा क्या है;

(ख) क्या यह सच है कि भारत के प्रमुख प्राकृतिक रेशों में से एक 'कॉयर' को राष्ट्रीय फाइबर नीति के अंतर्गत पहचान किए गए "प्रमुख प्राकृतिक रेशा" में से हटा दिया गया है;

(ग) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और इसके क्या कारण हैं;

(घ) क्या सरकार ने कॉयर को राष्ट्रीय फाइबर नीति से बाहर किए जाने के मद्देनजर, इस विशाल उद्योग से जुड़े लाखों ग्रामीण कामगारों और इसके पणधारकों की सहायता के उददेश्य से कॉयर उद्योग के लिए कोई योजना बनाई है; और

(ङ) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

उत्तर

वस्त्र मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्रीमती पनबाका लक्ष्मी)

(क): वित्तीय और गैर-प्रोत्साहनों के माध्यम से कपास, मानव निर्मित फाइबर्स, पटसन, ऊन, रेशम तथा विशिष्ट फाइबर्स विकसित करने के लिए 2010-20 के दशकीय परिप्रेक्ष्य में राष्ट्रीय फाइबर नीति तैयार की गई है ।

(ख) और (ग): राष्ट्रीय फाइबर नीति वस्त्र मंत्रालय के कार्य आबंटन के अधीन शामिल फाइबर्स के संबंध में है । कॉयर राष्ट्रीय फाइबर नीति के अंतर्गत नहीं आता है क्योंकि यह सूक्ष्म, लघु तथा मध्यम उद्यम मंत्रालय के कार्य आबंटन के अंतर्गत आता है ।

(घ) तथा (ड.): कॉयर उद्योग के संवर्धन और विकास के लिए कॉयर बोर्ड द्वारा अनेक योजनाएं कार्यान्वित की जाती हैं । तथापि, सूक्ष्म, लघु तथा मध्यम उद्यम मंत्रालय ने कॉयर उद्योग के लिए, विशेष रूप से राष्ट्रीय फाइबर नीति में इसे शामिल न किए जाने के मद्देनजर कोई योजना नहीं बनाई है ।